

নিৰীক্ষণ আৰু মতামত প্ৰদান: উচ্চ প্ৰাথমিক স্তৰত ভাষা আৰু লিখিব পঢ়িবৰ সমৰ্থ হোৱা

অসমীয়া (হিন্দীৰ সৈতে)

কমেণ্টেৰী:

উচ্চ প্ৰাথমিকৰ এই ভাষা জ্ঞানৰ পাঠটোত শিক্ষকে সমগ্ৰ পাঠটোত নিৰীক্ষণ তথা মতামত প্ৰদানৰ কৌশল অৱলম্বন কৰিছে।

শিক্ষয়িত্ৰী: जच्चा गाती हैं। कोई सुनाएगा? गाके बताएगा? आप सुनाएँगी? सुनाइए, बेटा।

শিক্ষার্থী ১: लाला-जनम सुने आई; जशोदा मैया, दे दो बधाई।

শিক্ষয়িত্ৰী: Very good, very good, शाबाश! क्या बात है! बहुत बढ़िया! Very good!

কমেণ্টেৰী:

শিক্ষকে ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলক আঞ্চলিক ভাষাৰ লোকগীতসমূহ বিদ্যালয়ৰ ভাষালৈ অনুবাদ কৰিবৰ বাবে দলগতভাৱে কাম কৰিবলৈ কৈছে।

শিক্ষার্থী ২: मोहे...

শিক্ষার্থী ৩: परायी ना करियो...

শিক্ষার্থী ২: अपने से...

শিক্ষার্থী ৩: से परायी...

শিক্ষার্থীসকল: क्या है बाबा...

শিক্ষার্থী ৪: वो अपने पति से बोलती है...

শিক্ষার্থী ৫: उसने कहा, सोने की औरत बना लो।

শিক্ষার্থী ৬: पत्नी, सोने की पत्नी।

শিক্ষার্থী ৭: नहीं, इसमें औरत लिखा है ना।

কমেণ্টেৰী:

শিক্ষকগৰাকীয়ে নীৰৱ পৰ্যবেক্ষণেৰে ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলৰ অধ্যয়ন কেনেকৈ নিৰীক্ষণ কৰিছে লক্ষ্য কৰক। কেতিয়া হস্তক্ষেপ কৰিব লাগে সেই কথা তেখেতে অতি সাৱধানতাৰে নিৰ্ণয় কৰিছে। ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলক কেৱল সহায় কৰা বা প্ৰত্যাহ্বান জনোৱাহে উচিত।

শিক্ষার্থী ৮: सगे भैया को जहर ना पिलइयो, पिया वचन मान जाईयो।

শিক্ষয়িত্ৰী: हाँ, अब जब हम अनुवाद करेंगे, तो कैसे गाएँगे इसको?

শিক্ষার্থী ৮: सगे भाई को जहर मत पिलाओ, पिया वचन मान जाओ।

शिक्षयित्री: गाके बताओ, गाके बताओ।

शिक्षार्थी ४: सगे भैया...

शिक्षार्थीमकल आबू शिक्षयित्री: सगे भैया को जहर ना पिलाना; पिया वचन मान जाना।

शिक्षार्थी ९: Ma'am, वचन का मतलब, मेरी बात मान जाओ।

शिक्षयित्री: हाँ, हैं न? अब फिर, ऐसे पूरा करो इसको आप। हैं न? इसी तरह से कि, हम गा भी सकें इसको।

कमेन्टेबी:

পৰৱৰ্তী পাঠটোত, জল সংৰক্ষণ বিষয়টোৰ ওপৰত তৰ্ক কৰাৰ অনুশীলন কৰিবলৈ শ্ৰেণীকোঠাত দলগত ক্ৰিয়া-কলাপ আৰম্ভ হৈছে।

शिक्षार्थी १०: जैसे, देखो, कोई-कोई घर में motor होती है, तो वो पानी ज्यादा बहाता है। उसको पानी नहीं बहाना चाहिए।

कमेन्टेबी:

ছাত্র-ছাত্রীসকলে এজনে আনজনৰ লগত ফলপ্ৰসূভাৱে কথোপকথন কৰিবলৈ শিক্ষকগৰাকীয়ে ছাত্র-ছাত্রীসকলক অনুপ্রাণিত কৰিছে।

शिक्षयित्री: वो आपको बताएँगे। हाँ, ठीक है?

शिक्षार्थी ११: हमें बाल्टी में भरकर नहाना चाहिए।

शिक्षार्थी १२: हमको मुँह धोते समय, एक गिलास में पानी रखना चाहिए, नल नहीं खोले रहना, नल नहीं खोलना चाहिए।

शिक्षार्थी १३: जो जब पानी गिरता है न, तो वो इतनी जोर से नीचे गिरता है। उसमें हमें, टब या बाल्टी, कुछ भी लगा देना चाहिए।

शिक्षार्थी १०: जिस पानी से हम बर्तन धोते हैं ना, वो पानी, हमें पेड़-पौधों में डाल देना चाहिए। व्यर्थ बहाना नहीं चाहिए।

शिक्षयित्री: हमने पढ़ा था कि, पृथ्वी एक गुल्लक होती है। जैसे, हम लोग पैसा जमा करते हैं न, वैसे, पृथ्वी को, हम गुल्लक की तरह उपयोग कर सकते हैं न? पानी, ज्यादा से ज्यादा, धरती में समा जाए - इसके लिए - हम क्या कर सकते हैं?

शिक्षार्थी १२: Ma'am, वो... पानी गिरता है वो पानी....

शिक्षयित्री: हाँ...

शिक्षार्थी १०: हमें बाल्टी या टब लगा देना चाहिए।

शिक्षयित्री: पानी, जो बारिश का पानी आता है, उसका कैसे हम संग्रह कर सकते हैं?

कमेंटेबी:

अन्य एटा उपकाबी निबीक्षण कोशल हैछे छात्र-छात्रीसकले कि शिकिले सेइ विषये प्रतिटो दलक सठिक क्रमत सोध-पोच कबा। कोनो धबणब व्याघात नजान्नाबाकै शिक्षकगबाकीये केनैके शुनि गैछे आबू प्रशंसा कबि गैछे लक्ष्य कबक।

शिक्षयित्री: आपके चार मिनट complete हो गए हैं। अब, आपने आपस में जो जो कुछ discussion किया है, वो अब आप मुझे बताएँगे।

नयना, आप खड़े हो जायें, बेटा। ये group खड़ा होगा, नयना group। आप बताएँगे?

शिक्षार्थी ५: जब हम होली खेलते हैं, तो रंग हमें घोलकर नहीं लगाना चाहिए। हमें गुलाल से होली खेलनी चाहिए। जिससे, हमारे जल का दुरुपयोग नहीं होगा, क्योंकि हम घुले रंग से होली खेलेंगे, तो हमारे शरीर पर रंग लगेगा, और नहाने में पानी व्यर्थ होगा। इसलिए हमें गुलाल से होली खेलनी चाहिए, जिससे पानी का संरक्षण होगा।

शिक्षयित्री: बहुत बढ़िया! शाबाश, बेटा! Very good!

कमेंटेबी:

शिक्षकगबाकीये छात्र-छात्रीसकलक तेउँलोकब चिन्ताधाबा प्रसाबित कबिवले प्रश्न कबिछे।

शिक्षार्थी ५७: सारे लोग झगडा करने लगते हैं। और पानी का दुरुपयोग होता है, और वो...

शिक्षयित्री: कैसे पानी का दुरुपयोग होता है, झगडा होता है तो?

शिक्षार्थी ५७: Ma'am वो, पानी व्यर्थ जाता रहता है।

शिक्षयित्री: लोग झगड़ते रहते हैं, और पानी बहता रहता है। न वो भर पाता है, न वो भर पाता है।

शिक्षार्थी ५७: Yes, ma'am.

शिक्षयित्री: ठीक है! शाबाश!

शिक्षार्थी ५७: और वो कुछ लोग अपने घर में motor लगा लेते हैं। जो दूसरे का पानी भी, उनकी motor खींच लेती हैं। और दूसरे को पानी नहीं मिल पता।

शिक्षयित्री: अब आप लोग बैठ जाइए। शाबाश! Very good!

अभी, हम लोगों ने जलसंरक्षण के बारे में बातचीत की, आपस में सबने? अब...

कमेंटेबी:

अबशेषत, शिक्षके छात्र-छात्रीसकलब अध्यायन अधिक शक्तिशाली कबाट सहाय कबिवब बावे पाठटोब पबा मूल कथाथिनि लिथि लैछे। पाठसमूहत विभिन्न दिशब पबा छात्र-छात्रीक निबीक्षण कबिवब बावे तथा

মতামত দিবৰ বাবে আপুনি কেনেকৈ সুবিধাসমূহ সন্নিৱিষ্ট কৰিব?